



**SLJ** JEWELLERS since 1975  
जहाँ विश्वास ही परम्परा है

GOLD ♦ DIAMOND ♦ PEARLS ♦ SILVER



NEW ADDRESS. NEW EXPERIENCE. SAME TRUST.  
Bigger. Better. Worldclass.



World's 1st Jewellery Showroom to present more than 100 exclusive Hallmarked Dulhan set's Certified by BIS

**SHIVRAJ LAXMICHAND JAIN JEWELLERS**

Exclusive Traditional &amp; Designer Jewellery Collection



# Exhibition

## Ethnic & Vintage Jewellery

GOLD, DIAMOND &amp; SILVER

**14/15/16 April 2023**

10.30 am TO 8.00 pm

## Hotel Platinum

Himayath Nagar, Hyderabad

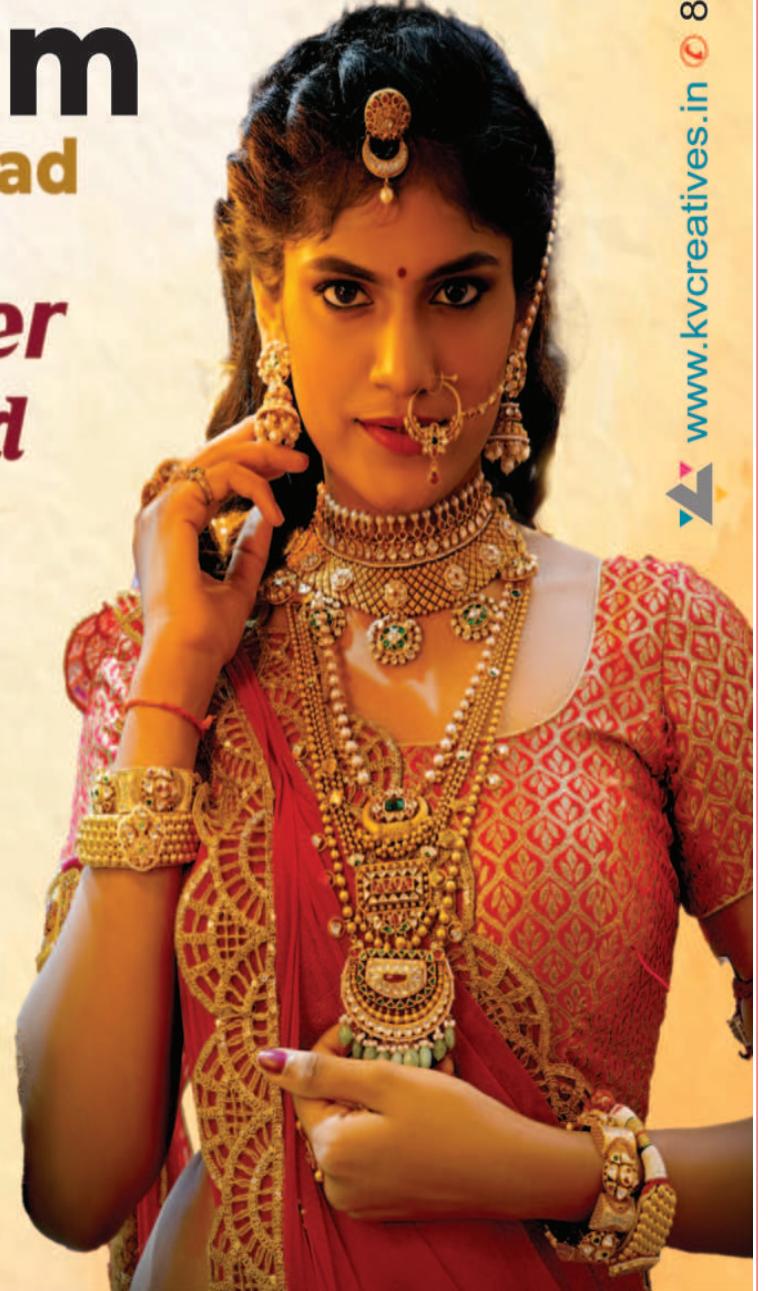
Grab Exciting OFFERS  
**15,000+**  
DESIGNS TO EXPLORE

New  
**Designer**  
collections  
arrived

Launching  
**Advaya**  
EXCLUSIVE JEWELLERY

BOOK GOLD/DIAMOND/SILVER  
JEWELLERY & GET EXCITING  
OFFERS AND SPOT GIFTS

Visit the exhibition  
and win prizes worth **₹2 Lakhs**



Exclusive Bridal  
Collection On Display

Handcrafted collection of Kundan, Jadau, Junagad, Temple, Heritage, Italian, Rosegold, Pitai Work

Launch of designer Light Weight Jewellery ♦ Extravagant collection of Diamond, Polki, Solitaire jewellery ♦ Vintage collection of 92.5 silver utensils & jewellery



6-3-1111/2, Beside Amrutha Mall,  
Somajiguda Circle  
Hyderabad - 500 082.



[www.sljjewellers.com](http://www.sljjewellers.com)  
Email: [info@sljjewellers.com](mailto:info@sljjewellers.com)



96 80 916 916 / 83 84 916 916  
63 09 916 916 / 97 80 916 916

VALET PARKING  
AVAILABLE  
Follow Us @







# मेरा हैदराबाद

## अंबेडकर द्वारा तैयार संविधान के कारण तेलंगाना बन सका : केटीआर

मंत्री ने पुंजागुद्वा सर्कल में अंबेडकर प्रतिमा का अनावरण किया



हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र  
वार्ता)। नगरपालिका प्रशासन और  
शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव  
ने शुक्रवार को यहां पुंजागढ़ा  
सरकल में डॉ बी आर अबेडकर  
की प्रतिमा का अनावरण किया।  
केटी रामाराव के साथ मंत्री  
कोप्पला ईश्वर, महमूद अली,  
येराबेली दयाकर राव, विधायक  
दानम नारेंद्र, जीएचएमसी मेयर  
गट्टाल तिजया लक्ष्मी और अन्य

के लिए डा. बीआर सेवाओं को याद की तेलंगाना राज्य का गठन करने के लिए मुख्यमंत्री के चद्रशाखर राव द्वारा लिया गया एक क्रांतिकारी फैसला था और हजारों दलित समुदाय के लोग इस योजना के तहत लाभ उठा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि चूंकि तेलंगाना सचिवालय के नए भवन का नाम बी आर अंबेडकर के नाम पर रखवाया गया है, केंद्र सरकार को भी नए संसद भवन का नाम भी अंबेडकर के नाम पर बदला जाएगा।

# चुनावी मौसम के मद्देनजर शांति व सुरक्षा बनाए रखने के लिए अधिक सतर्कता बरतें : अंजनी कुमार



हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), अंजनी कुमार ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में चुनावी मौसम आने के साथ ही शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए और अधिक सतर्कता बरतनी चाहिए। सुरक्षा का प्रदर्शन और विशेष शाखाओं से काम की मात्रा निर्धारित करना बहुत महत्वपूर्ण है। अंजनी कुमार, जिन्होंने डॉ. बीआर अबेंडकर के चित्र पर पुष्टांजलि अर्पित की, ने कहा कि राज्य के सभी पुलिस अधिकारियों को डॉ. अंबेंडकर की भावना में अपराधों को रोकने का एकमात्र तरीका है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया का दायरा काफी बढ़ गया है और इस संदर्भ में एसपी कार्यालयों में सोशल मीडिया निगरानी सेल को भी सक्रिय होना चाहिए और गलत रिपोर्ट का मुकाबला करने सहित

डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की 125 फीट की प्रतिमा के अनावरण में भाग लेने के लिए शहर में आए पुलिस आयुकों और पुलिस अधीक्षकों के साथ एक बैठक में उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहे हैं, राज्य में विभिन्न राजनीतिक दल और संगठन इसमें शामिल होंगे। अधिक से अधिक पदवाएँ और जनसभाएँ आयोजित करें। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर शांति, का डा. अब्दुकर का मामला में एक नए समाज के निर्माण के लिए पुनर्निर्देशित किया जाना चाहिए। दुनिया भर में साइबर अपराधों में बाढ़ी की ओर इशारा करते हुए, डॉ.जीपी ने कहा कि लोगों का साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष उपाय किए जाने चाहिए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध केवल शहरों और कस्बों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह गांवों में भी फैल गया है और जागरूकता ही इन साइबर रिपार्टों का मुकाबला करने सहित आवश्यक कार्रवाई करने के लिए मौजूदा तंत्र की जांच और अद्यतन करना चाहिए। इस अवसर पर एडिशनल डीजी महेश भागवत, संजय कुमार जैन, विजय कुमार, शिखा गोयल, सदीप शांडिल्य, राचकोंडा सीपी डीएस चौहान, आईजी कमलासन रेडी, चंद्र शेखर रेडी, शाहनवाज कासिम, डीआईजी रमेश रेडी, रेमा राजेश्वरी, एलएस चौहान और अन्य विरष्ट पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

## वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. महालक्ष्मी का निधन

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ और सुल्तान बाजार सरकारी प्रसूति अस्पताल की पूर्व अधीक्षक डॉ. महालक्ष्मी का गुरुवार रात हैदराबाद में निधन हो गया है। डॉ महालक्ष्मी न केवल एक प्रतिष्ठित शिक्षिका थीं बल्कि एक सिद्ध प्रशासक भी थीं और क्षेत्र के अस्पतालों में मातृ स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को मजबूत करने के लिए जानी जाती हैं। संयुक्त आंध्र प्रदेश के दौरान, वह आंध्र प्रदेश वैद्य विधान परिषद की आयुक्त थीं और गर्भवती महिलाओं के लिए मानक और परीक्षण उपचार प्रोटोकॉल स्थापित करने में सहायक थीं। अध्यक्ष, भारतीय मनश्चिकित्सीय सोसायटी, तेलंगाना राज्य शाखा, डॉ वी जॉर्ज रेड्डी ने कहा कि उन्होंने मनोरोग में भी गहरी दिलचस्पी ली। वास्तव में, उन्होंने मनोरोग सोसायटी के कामकाज और मार्गदर्शन में हमारी बहुत मदद की।

## पति ने महिला की चाकू मारकर

ਹਤਿਆ ਕਰ ਦੀ

हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। चंदननगर के नलगांडला में शुक्रवार दोपहर एक वीभित्स घटना में एक महिला को उसके पति ने सौरआम पत्थर से वार कर उसकी हत्या कर दी। तांडुर की रहने वाली पीड़िता के अंबिका (27) और उसका पति नरेंद्र (30) तीन साल पहले शहर में आ गए थे और नलगांडला में किराए के मकान में रह रहे थे। अंबिका जहां पास के एक बुटीक में काम करती थी, वहीं नरेंद्र दिहाड़ी मजदूर है। पुलिस के मुताबिक, दंपति के बीच छोटी-छोटी बातें को लेकर अक्सर बहस होती थी और पिछले कुछ दिनों से अपनी पत्नी की वफादारी पर शक करने वाला नरेंद्र कथित तौर पर उसे परेशान कर रहा था। प्रताङ्ना बढ़ने पर अंबिका ने नरेंद्र को चेतावनी दी और घर में भी उससे दूरी बनानी शुरू कर दी। नरेंद्र आज दोपहर 12 बजे के करीब अपने कार्यस्थल पर गया और अचानक उस पर पत्थर से हमला करना शुरू कर दिया। “हालांकि उसे गंभीर चोट लगी, अंबिका ने हमले का विरोध किया और भागने की कोशिश की। हालांकि, नरेंद्र ने उसका पीछा किया और उस पर चाकू से वार कर दिया।” अंबिका को गंभीर रक्तसाव की चोटें लगीं और स्थानीय निवासी उसकी सहायता के लिए दौड़ते, इससे पहले ही उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चंदननगर पुलिस ने जाच शुरू की और नरेंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया। शव को उस्मानिया जनरल अस्पताल के मुदार्घर में स्थानांतरित कर दिया गया और बाद में शव परीक्षण के बाद परिवार को सौंप दिया गया।



केसीआर को बीआर अंबेडकर की प्रतिमा के अनावरण का कोई नैतिक अधिकार नहीं : बंडी



गए भारत के संविधान का अपमान करने के लिए भी माफी मांगनी चाहिए। यह कहते हुए कि भाजपा अबेंडकर प्रतिमा की स्थापना के खिलाफ नहीं थी, संजय ने जानना चाहा कि केसीआर सरकार ने परियोजना में देरी कियों की। उन्होंने याद दिलाया कि भाजपा नेताओं ने कई बार घटनास्थल का दौरा किया था और परियोजना के पूरा होने में अत्यधिक देरी का पद्धतकाश किया है।

यह बिल्कुल स्पष्ट है कि आने वाले चुनावों में दलितों के बोट हासिल करने के लिए केसीआर इस साल प्रतिमा का उद्घाटन कर रहे हैं। उन्होंने एमएलसी चुनावों में मतदाताओं को खुश करने के लिए पीवी नरसिंहा राव जयंती समारोह आयोजित करके अतीत में भी ऐसा ही किया था, लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती और पृथ्वीतिथि में शामिल होना बंद कर दिया।

संजय ने मीडिया को दिए गए विज्ञापनों का उपहास उड़ाते हुए दावा किया कि दलित बंधु योजना पूरे देश के लिए एक मशाल है। उन्होंने मांग की कि अगर केसीआर ईमानदार हैं, तो उन्हें एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए कि दलित बंधु योजना के तहत अब तक कितने दलितों को

सहायता दी गई है। संजय ने याद दिलाया कि राज्य सरकार आरोग्य श्री और शुल्क प्रतिपूर्ति योजनाओं के तहत धनराशि जारी नहीं कर रही है, जिसका उद्देश्य एससी, एसटी और बीसी को लाभान्वित करना है। उन्होंने कहा कि दलित बंधु के साथ भी ऐसा ही है।

उन्होंने कहा कि दलित समाज  
इन तमाम हथकंडों के बावजूद  
केसीआर और उनके परिवार को  
माफ नहीं करेगा। उन्होंने याद  
दिलाया कि अम्बेडकर ने जिन  
आदर्शों के लिए लड़ाई लड़ी थी,  
केवल भाजपा ही इमानदारी से उन  
आदर्शों का पालन कर रखी है। जैसा  
कि अम्बेडकर चाहते थे, भाजपा  
सरकार ने धारा 370 को समाप्त कर  
दिया, 1.25 लाख दलितों को  
उद्योगपति बनाने के लिए क्रण प्रदान  
किया, दलितों को भारत का  
राष्ट्रपति बनाया, 12 दलितों को  
केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल किया  
और उन्हें जन धन योजना के तहत  
लाभ प्रदान किया। उन्होंने जोर देकर  
कहा कि अगर भाजपा सत्ता में  
आती है, तो हम अंबेडकर के  
आदर्शों के अनुसार राज्य पर शासन  
करें।

**ग्रीन इंडिया चैलेंज : प्रकाश अंबेडकर ने अपने दादा की विरासत का सम्मान करने के लिए पौधे लगाए**



सांसद ने करीमनगर जिले के इकाइयों का दौरा किया और हुजुबाद निर्वाचन क्षेत्र में दलित लाभार्थियों से बातचीत की।

## हैदराबाद को भारत की दूसरी राजधानी बनाया जाए : पकात्र अंबेडकर

बनाया जाए : प्रकाश अंबेडकर हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ. बीआर अंबेडकर के पोते और पूर्व सांसद प्रकाश अंबेडकर ने शुक्रवार को केंद्र सरकार से हैदराबाद को भारत की दूसरी राजधानी घोषित करने की मांग की। यहाँ एनटीआर गाड़न में 125 फीट लंबी अंबेडकर प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद बैठक को संबोधित करते हुए प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि हैदराबाद रणनीतिक रूप से देश के मध्य में स्थित है और यह पाकिस्तान और चीन देशों से काफी दूर है। इसके अलावा, यहाँ ने यारी नहीं की है और यहाँ से आपको अपने देश से दूर है।

देश का दूसरा राजधानी का जरूरत ह आर हदराबाद सभ्यस अच्छा विकल्प है। तेलंगाना में दलितों के विकास के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की सराहना करते हुए प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि तेलंगाना ने देश के लिए विकास का रास्ता दिखाया है और सभी वर्गों के लोगों को केसीआर का समर्थन करने की जरूरत है। बैठक में आने से पहले, प्रकाश अंबेडकर

## टीएसआरटीसी ने अंबेडकर जयंती मनाई



हैदराबाद, 14 अप्रैल (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य संचालित टीएसआरटीसी ने आज शहर के आरटीसी कलाभवन में भारतीय संविधान के निर्माता डॉ बी आर अंबेडकर की 125वीं जयंती समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निगम अध्यक्ष बजौरीडु गोवर्धन थे। उन्होंने इस अवसर पर अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि एक साधारण परिवार में पैदा हए अंबेडकर एक असाधारण व्यक्ति बने और कहा कि अंबेडकर ने इसे सभी भारतीयों के लिए गर्व की बात बताते हुए वैश्विक पहचान भी अर्जित की थी। उन्होंने कहा कि वे निगम के प्रबंध निदेशक बीसी सज्जनार के साथ निगम के कर्मचारियों के कल्याण को महत्व दे रहे हैं। उन्होंने जल्द से जल्द कर्मचारियों की समस्याओं को हल करने का वादा किया और कहा कि उन्होंने अब तक डिपो मैनेजर (डीएम) के छह पद स्वीकृत किए हैं। उन्होंने कर्मचारियों से बीआर अंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलने और निगम को मुनाफे के रास्ते पर लाने के लिए भरसक प्रयास करने का आङ्गान किया। उन्होंने उन्हें एक टीम के रूप में काम करने और निगम को आगे ले जाने के लिए कहा। निगम के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) वी. रविंदर, संयुक्त निदेशक संग्राम सिंह जी पाटिल, निगम के कार्यकारी निदेशक पुरुषोत्तम, यादगिरी, मुनि शेरधर, सीपीएम कृष्ण कात, रंगा रेड्डी आरएम श्रीधर और एससी एसटी एसटी कल्याण संघ के नेता राजेया नाइक, इस कार्यक्रम में गहाम श्रीनिवास, पद्मा राव, यादेया कृष्ण और अन्य लोगों ने भी हिस्सा लिया।



## **मुठभेड़ पर बेजा सवाल**

अतीक अहमद इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में आतंक व गुंडागर्दी का पर्याय बन चुका था। गैरकानूनी तरीके से जमीन हथियाना और लोगों की बेवजह हत्या करवा देना उसके बाएँ हाथ का खेल हुआ करता था। उसके रुठबे का असर उसके बच्चों पर भी पड़ा। अतीक जब अहमदाबाद के सावरमती जेल में बंद था तब यही काम उसके लड़कों व गुर्गों ने भी शुरू किया। अपनी दबंगई के चलते वह भी आतंक का पर्याय बन चुका था। अपने रसूख को कायम रखने के लिए उसने पूर्व विधायक राजू पाल हत्याकांड के मुख्य गवाह रहे एडवोकेट उमेश पाल समेत दो पुलिस कर्मियों को निशाना बनाते हुए दिन दहाडे हत्या कर दी थी। इसी हत्याकांड के बाद अतीक अहमद और उनके गुर्गों के दुर्दिन शुरू हो गए थे। यूपी पुलिस ने उसके गैंग के एक-एक को चुन-चुन कर ढेर करना शुरू किया। उत्तर प्रदेश पुलिस और विशेष रूप से उसकी स्पेशल टास्क फौर्स उमेश पाल और दो पुलिस कर्मियों की हत्या में शामिल अपराधियों की जोर-शोर से तलाश कर रही थी लेकिन वे पुलिस अथवा अदालत के समक्ष समर्पण करने के बजाय चकमा देते फिर रहे थे। अंततः तेरह अप्रैल को माफिया सरगना अतीक अहमद के दो गुर्गों की झांसी में एक मुठभेड़ के दौरान गोली से तब उड़ा दिया गया जब वे एक मोटसायकिल पर बैठ कर राजस्थान भागने का प्रयास कर रहे थे। यह मुठभेड़ उत्तर प्रदेश पुलिस की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस मुठभेड़ में अतीक के बेटे असद के साथ शूटर गुलाम मुहम्मद भी पुलिस की गोलियों से छलनी हो गया। बता दें कि ये दोनों गुर्गे उमेश पाल की हत्या के समय कैमरे में कैद हुए थे, इसलिए उनके अपराध और उनकी पहचान को लेकर कोई सवाल ही नहीं खड़ा हो सकता था। उनकी दबंगता का अनुमान इससे भी लगाया जा सकता है कि उमेश पाल हत्या को अंजाम देते समय उन्होंने अपने चेहरे भी छिपाने की जहमत नहीं उठाई थी। इसकी वजह यही समझी जा सकती है कि वे दोनों इस हत्याकांड के जरिए अपना खौफ पैदा करना चाहते थे। देखा जाए तो आमतौर पर इस तरह के दुस्साहसी अपराधी मुठभेड़ के ही शिकार होते हैं, खासकर उत्तर प्रदेश में। वजह साफ है कि वे पुलिस अथवा अदालत के समक्ष समर्पण करने के बजाय बचने का प्रयास करते हैं और इसी तारतम्य में पुलिस उन्हें ठोक देती है। असद और गुलाम के साथ भी ऐसा ही हुआ, जिसका अनुमान था। इस मुठभेड़ के बाद क्यास लगो जा रहे हैं कि उनका हश्र देख कर उमेश पाल हत्याकांड में शामिल अन्य अपराधी पुलिस के समक्ष समर्पण करना पसंद करेंगे। बहरहाल, झांसी में हुई मुठभेड़ के बाद विपक्षी दलों के कुछ नेता जिस तरह दुर्दात अपराधियों की मौत पर द्रवित हो रहे हैं और पुलिस पर सवाल उठाने में लगे हुए हैं, वह न केवल हास्याप्पद है, बल्कि दुर्भाग्यपूर्ण भी है। ऐसे लोगों के बयान ही अपराधियों की हौसलाअफ़ज़ाई करते हैं। आखिर क्या कारण है कि इतने खूंखार हत्यारों के प्रति कुछ नेता आंसू बच्चों बहा रहे हैं? — अन्त में जो भी देखते हैं कि अन्त में देखते हैं



अशोक भाटिया

इस वर्ष 2023 का  
चुनाव गहलोत सरकार  
के लिए उतना आसान  
नहीं जितना वो महसूस करते हैं क्योंकि इस बार  
मुकाबला दो पक्षीय  
नहीं, बहुकोणीय है।

अब राजस्थान में भी चुनाव से पूरा पायलट का सरकार की नीतियों तक खिलाफ झंड़ा उठाना कांग्रेस आलाकमान के लिए परेशानी का सबव बन सकता है। पंजाब की तरह यहां भी आलाकमान अगर बीच का रास्ता निकाला तो कांग्रेस के लिए आपामी चुनाव जीतना एक टें

पायलट को अपना समर्थन दे सकती हालांकि, इन अफवाहों के खुद पाय ने खारिज कर दिया। उन्होंने साफ तरीके से वह भाजपा के साथ नहीं जाएगा। विधायकों की अयोग्यता का मामला राजस्थान हाई कोर्ट तक पहुंचा। बात कांग्रेस आलाकमान खासकर प्रियंका गांधी के लिए बहुत अधिक अप्रैयोगिक दिख रही है।

स्कीम और अन्य सरकारी योजनाओं का दम पर सत्ता में वापसी का दावा किया जा रहा है। लेकिन राजस्थान में सबसे बड़ा टक्कर गहलोत और पायलट के बीच है यह तथ्य है परन्तु इस टक्कर के जरिए पार्टी राजस्थान में एंट्री की तैयारी बताया जा रहा है कि आप का

तथ्य है कि वोट प्रतिशत के लिहाज से आप को राष्ट्रीय स्तर पर लाभ होगा।' इसके आलावा एआईमआईम चीफ और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने राजस्थान विधानसभा चुनाव में उत्तरने का एलान कर दिया है।

बस राजस्थान की 200 में से 40 सीटों पर पार्टी चुनाव में प्रत्याशी उतारेगी। इससे पहले टॉक में एक बड़ी जनसभा में असदुद्दीन ओवैसी ने पार्टी के विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा की थी हैदराबाद से सांसद अब देश के दूसरे हिस्सों में पार्टी की जमीन तलाश रहे हैं। मुस्लिम वोटरों के बीच ओवैसी की खास अहमियत है। विहार के पिछले विधानसभा चुनाव में 5 विधायक जिताकर ओवैसी ये साबित कर चुके हैं। अब माना जा रहा है कि राजस्थान में भी ओवैसी की नजर मुस्लिम बहुल आबादी वाली सीटों पर है।

माध्योपुरा और टॉक में मुस्लिम आबादी खासा असर रखती है। इस इलाके में 40 विधानसभा सीटें आती हैं, जिनमें से इस समय 33 सीटें कांग्रेस के साथ हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस इस इलाके में 29 सीटों पर जीती थी। तीन सीट बहुजन समाज पार्टी को मिली थी जबकि एक पर निर्दलीय जीता था। बाद में बसपा और निर्दलीय विधायक कांग्रेस के साथ चले गए थे।

इलाके में 7 सीटों पर भाजपा के खाते में आई थी। जाहिर है अगर ओवैसी की पार्टी विधानसभा चुनाव में उत्तरते हैं तो कांग्रेस को ही इसका नुकसान होने की आशंका ज्यादा है। राजस्थान में पहले से ही हर 5 साल पर जनता सरकार बदलती रही है। ऐसे में ओवैसी की इस घोषणा के बाद गहलोत की टेंशन बढ़नी तय है। इन 40 सीटों पर अभी तक भाजपा और कांग्रेस के बीच ही कड़ा मुकाबला होता रहा है, जिसमें कांग्रेस भारी पड़ती रही है लेकिन अब ओवैसी के मैदान में उत्तरने के बाद नए समीकरण बनने तय हैं।

# देश के लिए यह 2024 के 'समर्थीपुर' द्वाण की शुरुआत है !



श्रवण गर्ज

नई दिल्ली म पहल  
 (बुधवार को) नीतीश-  
 तेजस्वी की फिर  
 (गुरुवार को) शरद  
 पवार की राहुल गांधी  
 और मालिकार्जुन  
 खड़गे से हुई महत्वपूर्ण  
 मुलाकातों ने  
 कालकाता और  
 लखनऊ मे चिकित्सा

क साथ अमलकर पछल साल नीतिक विस्पोट के बाद जब शो से सवाल किया था कि क्या ग्रीष्म पद के उम्मीदवार हैं ? यमंत्री का शब्दों को तैलकर बाब था: 'मैं किसी चीज की तरी दावेदारी नहीं करता। केंद्र 2024 के चुनाव में अपनी को लेकर चिंता करनी चाहै जैसे मैं भी जीतीजा ते

जद (यू) गठबधन संविद्राह के पाछ उनके  
इस माँग को केंद्र द्वारा नहीं माना जाना था कि  
उन्हें उपराष्ट्रपति पद दिया जाए तो किसी ने  
यकीन नहीं किया।  
दो मत नहीं कि भ्रष्टाचार के मामलों में ममता  
बनर्जी के अत्यंत करीबियों पर हुई केंद्रीय  
एजेंसियों की कार्रवाई, गिरफ्तारियों और  
राष्ट्रपति-उपराष्ट्रपति के चुनावों में तृणमूल  
कांग्रेस द्वारा निभाई गई संदेहास्पद भूमिका ने  
2024 के चुनावों में ऐसी को बिल्कुल उन्हें

**विजेता होने के लिए करुणा व  
सहयोग की भावना ज़रूरी है**

हम सबके कुछ सपने होते हैं जिन्हें साकार करने के लिए हम कोई कसर नहीं रख छोड़ते। हम जैसे-जैसे अपने लक्ष्य को पाने के लिए आगे बढ़ते हैं हमारे प्रयास और अधिक तेज हो जाते हैं। लक्ष्य के अत्यधिक निकट पहुँचने पर हमें अपने लक्ष्य के अतिरिक्त बिना किसी हिचकिचाहट के फौरन अपनी नाव उस दिशा में मोड़ दी जिधर उलटी हुई दुर्घटनाग्रस्त नाव समुद्र की विकराल लहरों में हिचकोले खा रही थी। लेम्यूक्स ने बिना देर किए दोनों घायल नाविकों को एक एक करके अपनी नाव में खींच लिया और तब तक वहीं

## आत्मसमर्पण, आत्मानुशासन का पर्याय है हिंदू



डा. सुरेश कुमार मिश्रा

श्रृंखलाओं, विचारधाराओं और संप्रदायों को समाविष्ट करता है। हिंदू धर्म के शास्त्रों में बताया गया है कि धर्म एक सच्ची जीवन शैली होनी चाहिए, जो सभी जीवों के साथ संबंधित होती है। इसका मूल मंत्र है ख्वस्यधैव कुटुम्बकम् जो यह दर्शाता है कि समस्त मानवता एक ही परिवार है। हिंदू धर्म में नैतिकता, सद्ग्राव, करुणा, ध्यान, त्याग और सेवा के महत्वपूर्ण सिद्धांत होते हैं। इसके साथ ही, यह धर्म स्वतंत्रता, अन्याय के खिलाफ लड़ाई, और आध्यात्मिक उन्नति को बढ़ावा देता है। हिंदू धर्म की एक महान विशेषता यह है कि यह सभी धर्मों को सम्मान करता है और उनकी सहमति को स्वीकार करता है। इसके अलावा, हिंदू धर्म में अनेक धर्मग्रंथ होते हैं जो ज्ञान, नैतिकता और आध्यात्मिक उन्नति को बढ़ावा देते हैं। हिन्दू धर्म में कुछ विशिष्ट मूल केंद्रीय विश्वास पद्धतियाँ हैं, ये हैं ब्रह्म, आत्मा, कर्म, धर्म, मोक्ष की धारणा, और शुद्धि और अशुद्धि के विचार हिन्दू धर्म में अनेक संप्रदाय और देवी-देवता हैं। हिन्दू जीवन पद्धति के दर्शन इस धर्म की सामाजिक संस्थाओं में होते हैं। हिन्दू धर्म विश्व के तमाम महान धर्मों में सबसे पुराना धर्म है धर्म की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को देखा जाए तो उसमें अनेक आंदोलन छुट है। और अनेक बाहरी और आंतरिक ताकतों से इसका टकराव हुआ है।

बाद शरद पवार का राहुल गांधी से मिलने दिल्ली पहुँचना भी एक बहुत बड़ी घटना है। इसे राहुल गांधी की देश के लिए ज़रूरत के प्रति पवार के अप्रत्याशित सम्मान का सार्वजनिक प्रदर्शन भी माना जा सकता है। प्रधानमंत्री पिछले साल की बारह जुलाई को पटना में थे। वे वहाँ बिहार विधान सभा के शताब्दी समारोह में भाग लेने पहुँचे थे। इस अवसर पर मोदी की मुलाकात तेजस्वी यादव से होनी ही थी।

तेजस्वी के साथ संक्षिप्त बातचीत में पीएम ने राजद नेता को सलाह दे डाली कि उन्हें अपना वजन कुछ कम करना चाहिए। तेजस्वी ने मोदी के चैलेंज को मंजूर कर लिया। तेजस्वी ने न सिर्फ खुद का वजन कम करके उसे नीतीश कुमार के साथ बाँट लिया, बिहार का राजनीतिक होमोग्लोबीन दुरुस्त करने के बाद अब दोनों नेता मुलक की सहत ठीक करने के काम में जुट गए। 25 फरवरी को हुई पूर्णिया (बिहार) की रैली में उन्होंने संकेत दे ही दिए

# ਸਾਹਿਤ्य ਸਾਧਕ : ਮੁਨੀਦ ਜੀ

16 अप्रैल पुण्य तिथि

पुस्तिका छपने का काम शुरू हुआ तो उससे मुझे भी जोड़ा और उसकी रूप रेखा समझायी उस पर कार्य करने के लिये मुझ से आग्रह किया। उस दिन मुझे उनके महान व्यक्तित्व का अहसास हुआ। पुस्तिका के प्रकाशन के लिए वर्ता आया लिप्ता हुआ एवं

दारान कइ बार मलना हुआ किंवद्दन समसामयिक विषयों पर उनसे चर्चा होती। मेरी साहित्यिक रुचि को देख पुस्तिका के कार्य के आलावा “दक्षिण समाचार” के लिये प्रस्तुक समीक्षा आदि लिखने का कार्य मन्दे थे जब भा किसा से मिलते उसे अपना बना लेते और वह भी उनका प्रशंसक हो जाता हिंदी साहित्य के विकास के लिये स्व श्रृंग बट्रीविशाल पित्ती द्वारा “कल्पना” पत्रिका द्वारा नई परी पित्ती जी के द्वारे पा “कल्पना

जुसके सनाना जाप लेखन का काम मुश्सीपा। समय समय पर प्रूफ रीडिंग, वाक्य संरचना और संपादन का कार्य भी सौंपते जिससे बहुत कुछ सीखने को मिला। इसके लिये मार्ग दर्शन करते और हमेशा नये ढंग से सोचने के लिये प्रोत्साहित करते। नये युवा लेखकों से मिल उनको लिखने के लिये उत्साहित करते। युवा भी उनसे मिल खुश होते।

शुरु का गया पता जा के कहन पर कल्पना “पत्रिका का संपादन किया।” कल्पना पत्रिका का प्रकाशन स्थगित होने के बाद ही उन्होंने “दक्षिण समाचार” का प्रकाशन शुरू किया था।

हिंदी साहित्य की ऐसी महान शब्दियत वेसाथ मुझे काम कर उनसे जुड़ने का अवसर मिला यह मेरा सौभाग्य है।

कालेकर शिवानंद

प्राचीन शिल्प



## शिवजी का जब हुआ हनुमानजी से प्रलयकारी युद्ध



त्रेतायुग में राम और रावण युद्ध के बाद जब प्रभु श्रीराम अयोध्या लौट आए तो उन्होंने अश्वमेध यज्ञ का आयोजन कराया। यज्ञ करने के बाद अश्व को स्वतन्त्र विचरण करने के लिए छोड़ दिया जाता था। जिसके पांच वर्षों बहकती राजा की सेना होती थी। जब यह अश्व दिग्विजय यात्रा पर जाता था तो स्थानीय लोग इसके पुनरापामन की प्रतिक्षा करते थे।

इस अश्व के चुराने या इसे रोकने वाले नरेश से युद्ध होता था। यदि यह अश्व खो जाता तो दूसरे अश्व से यह किया पुःः असम्भव की जाती थी।

जिस तरह एक बार लव और कुश ने अश्वमेध के अश्व को रोककर श्रीराम को चुनौती थी थी और तब हनुमानजी को युद्ध के लिए भेजा था। लव और कुश से युद्ध के दौरान हनुमानजी समझ गए कि वे कैफै हैं तो उन्होंने खुद को लव और कुश की हाथों बंदी बनवा लिया था। तब बाद में लक्षण आदि युद्ध करने गए और परास्त हो गए तो अंत में श्रीराम आए थे। उसी प्रकार जब यज्ञ का घोड़ा देवपुर पहुंचा तो शिवभक्त राजा वीरमण के पुरुष रुद्रामण ने श्रीराम के घोड़े को रोककर उसे बंदी बना लिया।

अब देवपुर और अयोध्या की सेना में युद्ध होना ही था। श्रीरामण ने सुना कि श्रीराम के अनुज शत्रुघ्न की वाहनी युद्ध के लिए बहती चली आ रही है, तब उन्होंने संशब्द सेना तैयार करने के लिए अपने प्रवल पारक्रामी सेनापति रिपुवा को आदेश दे दिया।

फिर स्वयं शिवभक्त राजा वीरमण के आई वीरसिंह, भानजे बनमित्र तथा राजकुमार रुद्रपांड के साथ युद्ध के लिए गण्डुम से पहुंच गया।

भीषण युद्ध हुआ जिसमें हनुमानजी ने सभी को पराजित कर दिया। अंत में वीरमण को हनुमानजी ने मूर्छित कर दिया। शिवभक्त वीरमण को शिवजी ने वरदान दिया था कि जब भी संकट आएगा तो मैं तुम्हारी सहायता करूँगा। भगवान अपने गणों के साथ युद्ध



के मैदान में पहुंच गए। गणों से सभी कुछ छिन्न भिन्न कर दिया। वीरभद्र ने शत्रुघ्न के पुरुष पुक्कल का सिर काट दिया और शिवजी ने शत्रुघ्न को घायल कर दिया। हनुमानजी ने दोनों को रथ में रखा और सुरक्षित किया। फिर हनुमानजी सेना का मनोबल बढ़ाते हुए गजनीन करके आगे बढ़े और शिवजी के सामने जाकर खड़े हो गए। फिर दोनों में भयंकर और प्रलयकारी युद्ध हुआ।

चूंकि हनुमानजी रुद्रवातर थे और उन्हें सभी देवी देवताओं ने वरदान दे रखा था कि कोई अस्त्र शस्त्र से तुम बंध नहीं सकते हो और ना ही पराजित हो सकते हो। इस कारण भगवान शंकर और हनुमानजी में प्रलयकारी युद्ध हुआ। दोनों ओर से हर तरह के दिव्यास्त्रों का प्रयोग किया जाने लगा। हनुमानजी के पास शिवजी के हर दिव्यास्त्र का तोड़ था।

युद्ध भयानक से भयानक होता जा रहा था। यह देखकर भगवान राम वहां प्रकट हुए और श्रीरामजी ने हनुमानजी को समझाया कि आप किसीसे युद्ध कर रहे हो। शिव ही राम है और राम ही शिव है। यह सुनकर हनुमानजी को शिव में ही राम का रूप नजर



आने लगा। यह देखकर वे अपना युद्ध रोककर भगवान शिव और राम के आगे हाथ जोड़कर खड़े हो गए।

हनुमानजी के पराक्रम को देखकर भगवान शिव बहुत ही प्रसन्न हुए और हनुमानजी को मनचाहा हर मानवों को कहा। इस प्रकार इस युद्ध का अंत हुआ। इस युद्ध में श्रीराम और भगवान शंकर ही लीला थी। इस युद्ध में भगवान शंकर हनुमानजी की परीक्षा ले रहे थे।



## दिल में उतर गए

अनुकूल व प्रतिकूल दोनों ही परिस्थिति में सम्भाव रखा और यही बना उनका महान लक्ष्य



चैतन्य मुनि अमन

यद्यपि वे एक धर्मसंघ के आचार्य बने पर उनका चिंतन सदैव ही असाध्यादिक ही रहा। सम्प्रदाय को ये संघोंपे व्यवस्था मानते थे। उनके कार्य जैन शासन की प्रभावना तथा मानवता की सेवा के संर्द्ध में थे। इसी बात को सामने रखकर सदा अपने प्रवर्तनों में सार्वभौम और सार्वजनीन हितोदेश के रूप में करते थे। यहां तक जीवन के आठवें दशक में उन्होंने अंतिम यात्रा की सत्तेषु मैत्री की प्रबल भावना से उन्होंने पंचवर्षीय यात्रा के दौरान जन-जन को नैतिकता, सद्व्यवहार और भाईचारे का संदेश दिया। जातिवाद, प्रांतवाद, सम्प्रदायवाद व्यवित और समाज में अलगाव पैदा करता है। अतः इसे कभी महत्व नहीं दिया। अतः भारत की महान हस्तियां उनके चरणों में आकर मार्गदर्शन करती थीं। चाहे वे राजनेता, समाजनेता, धर्मगुरु आदि किसी संस्था या संघ से जुड़े हुए क्यों नहीं थे। एक बार गाढ़पाति अब्दुल कलाम उनके चरणों में आए तो महाप्रज्ञ ने एक ऐसी बात कही कि वे महाप्रज्ञ के फैन हो गए। महाप्रज्ञ ने कहा - कलाम साहब आपने अनेक मिसाइल बनाई हैं जिन्हें अब शान्ति की मिसाइल बनाई है। इस बात से वे इतने प्रभावित हुए कि प्रतिवर्ष महाप्रज्ञ के चरणों में आने लगे। जब सूरत में आचार्य महाप्रज्ञ कर्तव्य चार्यपास करवा रहे थे तो वे अपना जन्मदिन मनाने वाली वार्षीय दिवस लेने पहुंच गए और एक शानदार कार्यक्रम आयोजित हुआ। फिर एक पुस्तक का निर्माण हुआ जो आचार्य महाप्रज्ञ और अब्दुल कलाम की संयुक्त सम्मिलित रूप में प्रकाशित हुई।

आचार्य महाप्रज्ञ द्वारा आगम सम्पादन के साथ साहित्य के क्षेत्र में दो सौ से अधिक पुस्तकों प्रकाशित हुई हैं। उनका वह साहित्य जगत भी जन-जन का मार्गदर्शन कर रहा है। हम उनके महाप्रयोग के अवसर पर यही भावना करते हैं कि उनके द्वारा प्राप्त अवसरों से अपनी साधना वैभव को बढ़ाते रहे तथा उनकी आचार-निष्ठा, संयम-प्रियता, सरलता, गंभीरता, सहिष्णुता के साथ मानवता, नैतिकता व भाईचारे की भावना को विकसित कर सकें। हम भी जीए संयम से, चले सजगता से... कहें सुगमता से रहें निःस्मृता से सहे सहिष्णुता व समता से माने कृतज्ञता। से उन कुरुते नेतृत्व प्रदान कर्ता आचार्य श्री महाप्रज्ञ के प्रति उनके 14 में महाप्रज्ञ और अब्दुल कलाम साहब द्वारा आयोजित हुए।

जा कहै जितना कहै अल्प ही होगा, सागर की गाथा, बूँद की कहानी है।

जा कहै जितना कहै अल्प ही होगा, सागर की गाथा, बूँद की कहानी है।

## घर की ये दिशा खोलती है सुख-संपत्ति के द्वार..

इस दिशा में रखें सिल्वर की आइटम: इस दिशा को चढ़ावा की दिशा भी कहा जाता है। वायव्य कोण में रखी चांदी या सिल्वर की आइटम घर के सदस्यों को बहुत से फायदे देती है। उत्तर-प्रियंक दिशा में चांदी की कोई बस्तु रखने से दोस्तों और रिस्तेदारों का भरपूर साथ मिलता है।

छह पाइप की विंड चाइम: वास्तु दोप से राहत दिलाने के लिए फैंगशाई का अटिकल विंड चाइम बहुत ही कम आता है।

अगर घर की उत्तर-प्रियंक दिशा में कोई दरवाजा या बिंडिकी है तो विंड चाइम अवश्य लगाएं। इसे लगाने से घर में कभी भी नेटों वाले दरवाजे का अपार्टमेंट के निजात पाने के लिए इस जगह पर रखें दस्तावेज।

अगर इस दिशा में दोष से बचना चाहिए तो शारीरिक रूप से घर में दोष नहीं होता है। आगर इस दिशा में दोष होता है तो शारीरिक रूप से घर में दोष नहीं होता है।

इस जगह लगाए ये खास पौधे: वायव्य कोण में

## खाना खाने के बाद भूलकर भी न धोएं थाली में हाथ

खाना खाने के बाद बहुत ही शुभ माने गए हैं। चमेली, चंपा या बेला के फूल लगाने से घर में सकारात्मकता का वास बना रहता है। इस जगह पर रखें दस्तावेज देते हैं। ये दस्तावेज के बाहर में दरिद्रता आती है और धन-दौलत में कमी आ सकती है। इसके पांच और क्वार्टी भी जाती हैं और क्वार्टी को मिलते हैं।

अगर बहुत जल की आवश्यकता है तो घर में दरिद्रता आती है और धन-दौलत में कमी आ सकती है। इसके पांच और क्वार्टी भी जाती हैं और क्वार्टी को मिलते हैं।

जितना खाना हो उतना ही लोग उत्तराधारी वाली में हाथ धोते हैं, पर इन्हें अन्य वाली में खाना खाने की आवश्यकता नहीं होती है। ये दस्तावेज के बाहर एक दाने का सम्मान करना चाहिए। ये दाने की आवश्यकता नहीं होती है। इसके बाहर एक दाने का सम्मान करना चाहिए। ये दाने की आवश्यकता नहीं होती है।

लकड़ी के पटरे पर रखें खाने की थाली

मान्यता है कि थाली को हमेशा लकड़ी के पटरे पर रखकर भोजन करना चाहिए। हमें उन सभी नियमों को ध्यान में रखना चाहिए और अन्य का ध्यान में रखना चाहिए। ये दस्तावेज के बाहर एक दाने का सम्मान करना चाहिए। ये दाने की आवश्यकता नहीं होती है।

जिस दिशा भी जाती है तो उसके बाहर एक दाने का सम्मान करना चाहिए। ये दाने की आवश्यकता नहीं होती है।

&lt;p









# नॉर्थ कोरिया की पहली सॉलिड फ्लूल मिसाइल

प्योगयांग, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। नॉर्थ कोरिया ने अपनी अब तक की सबसे पावरफुल मिसाइल को टेस्ट किया है। सॉलिड फ्लूल वाली इटर कॉन्ट्रोल मिसाइल के सफल परीक्षण को बाहर के स्टेट मैडिया में चमकायी बताया जा रहा है।

मिसाइल टेस्टिंग का किनाना असर हुआ इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसके परीक्षण के दौरान जापान के उत्तरी इलाके से लोगों को निकाला जाने लगा। वहीं, जापान के हांगकांग में स्कूल दैरी से शुरू किए गए, कुछ देंगे के समय में भी बदलाव किया गया।

**तेजी से हमला करने में माहिर होगी नई मिसाइल हवामान-18**

इस मिसाइल परीक्षण के दौरान नॉर्थ कोरिया ने तानाशाह किम जॉंग उन अपनी बैठी, पल्टी के साथ मौजूद रहे। नॉर्थ कोरिया ने अपनी अब तक की सबसे



पावर फुल मिसाइल को हवासोग-18 नाम दिया है। टेस्टिंग के दौरान इसने 1000 किलोमीटर तक की उड़ान भरी। मिसाइल में लिंकिंग यानी तरल इधन की बजाए सॉलिड फ्लूल वाली मिसाइलों को किया गया था। अलंजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक सॉलिड फ्लूल पर चलने वाली मिसाइलों ज्यादा सुरक्षित होती है। इन्हें तेजी से तेजात किया जा सकता है।





# 1000 आईपीएल मैच, लेकिन 5 इंटरनेशनल रिकॉर्ड नहीं बने

एक ओवर में 6 सिक्स, फास्टेस्ट फिफ्टी 16 साल से युवी के नाम

मंवई, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग आईपीएल के 16वें सीजन में 1,000 मैच पूरे हो गए। टेस्ट प्लेइंग देंगे के बीच खेले गए 1,051 इंटरनेशनल टी-20 मैचों से यह अंकड़ा कुछ ही कम है। आईपीएल में अभी तक 1,000 से ज्यादा खिलाड़ी खेल चुके हैं। इस दौरान इंटरनेशनल में 965 खिलाड़ी खेले।

आईपीएल में हर साल दुनिया भर के टॉप प्लेयर्स कई रिकॉर्ड बनाते और तोड़ते हैं। फिर भी इंटरनेशनल क्रिकेट के कुछ ऐसे रिकॉर्ड हैं, जो अभी तक आईपीएल में बन या टूट नहीं पाए हैं।

5 इंटरनेशनल रिकॉर्ड जो आईपीएल में नहीं बने...



1. ओवर में 6 क्रिकेट में चार बार लगा चुके

आईपीएल में कोई भी बल्लेबाज एक ओवर में लगातार छह छक्के लगाने में सफल नहीं हो पाया है। इंटरनेशनल में 4 बार ऐसा हो चुका है। द. अफ्रीका के हशल गिब्स वनडे में, भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के विरोध पोलार्ड टी20 में ऐसा कर चुके हैं। अमेरिका के जसकरन मल्होदा भी वनडे में ओवर में छह छक्के जमा चुके

2. सबसे बड़ा स्कोर: इंटरनेशनल में इंटरनेशनल क्रिकेट से 15 रन पीछे

आईपीएल में सबसे बड़ा स्कोर 2013 में बैंगलुरु ने पुणे वॉरियर्स के खिलाफ बनाया था। तब बैंगलुरु ने 5 विकेट पर 263 रन बनाए थे। इंटरनेशनल में इससे बड़ा स्कोर दो बार बना है। 2019 में अग्रणीस्टान ने आयरलैंड के खिलाफ 278/3 का स्कोर बनाया था। उस मैच में हजरतुल्लाह जारई

आईपीएल में अभी तक यह रिकॉर्ड नहीं बन पाया।

4. सबसे तेज अर्धशतक: युवराज का 16 साल पुराना रिकॉर्ड कायम

टी20 वर्ल्ड कप 2007 में युवराज ने इंग्लैंड के खिलाफ एक ओवर में छह छक्के जड़े। उन्होंने 12 गेंदों में अर्धशतक पूरा कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना दिया। यह रिकॉर्ड इंटरनेशनल या आईपीएल में नहीं टूटा है। आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी एक ओवर गलूब (14 गेंद) के नाम है। युवराज के अलावा ऑस्ट्रेलिया के मिर्जा हसन 2019 में 13 गेंदों में फिफ्टी जमा चुके हैं।

5. किफायती बॉलिंग: 10 से कम रन देकर 6 विकेट आईपीएल में नहीं

आईपीएल में इंटरनेशनल क्रिकेट जैसी क्रियाकालीन गेंदबाजी नहीं हुई। इंटरनेशनल टी-20 में 4 बार गेंदबाजी ने 10 रन के भीतर 6 विकेट लिए। टेस्ट प्लेइंग नेशन्स में भारत के दीपक चाहर 7 रन देकर 6 विकेट डबल हैं। श्रीलंका के गेंदबाजी को रिकॉर्ड मुंबई इंडियंस के अल्जारी जोसेफ के नाम है। उन्होंने 2019 में आईपीएल में हैदराबाद के खिलाफ डेब्यू मैच में 12 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

स्वर्ण का संकल्प लेने के बाद 6 माह से घर नहीं गए अमन

एशियाई चैंपियनशिप में देश को किया गौरवान्वित



नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। युवा पहलवान अमन सहरावत ने एक बार फिर देश को गौरवान्वित कर दिया है। उन्होंने बहस्तरिवार को एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में देश को स्वर्ण पदक दिलाया। हालांकि इस दर्वाजे को पाने के लिए उन्होंने कड़ा संघर्ष किया है। हरियाणा के झज्जर के अमन ने इस चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने का संकल्प लिया था और इसके चलते वह छह महीने से अपने घर नहीं गए हैं। उनका घर झज्जर के बिहोड़ी गांव में है। वह दिल्ली के भ्रसाल स्टेडियम में कांच प्रवीन दहिया के साथ अभ्यास करते रहे या फिर सानीपात के बहालगढ़ में राष्ट्रीय शिरि में मौजूद रहे, लेकिन घर की दृष्टियां पर नहीं चढ़े। कोच प्रवीन ने अभर उनका को बताया कि अमन के लिए एशियाई चैंपियनशिप कपी अहम है। उसने पहले ही सोच लिया था कि मुझे इस चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतना है। वह अंडर-23 में विश्व चैंपियन तो बन गए थे, लेकिन एशियाई कुश्ती में भी उन्हें स्वर्ण जीतना था। वह या तो हमारे साथ रहता था या फिर बहालगढ़ में था। मेरी जरूर उससे बात होती थी तो मैंने उससे कहा था कि तुम एक बार अपने घर चले जाया करो।

सेल्फी विवाद में पृथ्वी शॉ की मुश्किल बढ़ी

सपना गिल की याचिका पर शॉ सहित 11 लोगों को नोटिस जारी



को लेकर शॉ का सपना गिल के साथ विवाद हो गया था। दोनों के बीच खिलाड़ी भी समने आया था। शॉ ने आरोप लगाया था कि फोटो स्विंचवाने से मना करने पर गिल और उसके साथियों ने उनके साथ मारपीट की और उनकी कार की शीशा तोड़ दी। जिसका बाद पुलिस ने सपना और उनके एक दोस्त के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दिया है। यह साथियों के आरोप लगाया था। जिसमें उन्होंने पृथ्वी शॉ पर छेड़छाड़ और बल्ले से मारपीट के आरोप लगाया। उसी याचिका के आधार पर बॉम्बे हाईकोर्ट की तरफ से पृथ्वी शॉ सहित 11 लोगों को नोटिस भेजा है।

यूईएफए को यूरो 2028 और 2032 के लिए तीन बोलियां मिलीं जेनेवा, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। यूईएफए ने घोषणा की कि उसे 2028 और 2032 यूरोपीय चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए बिटेन, तकनी और इंडिया से तीन बोलियां प्राप्त हुई हैं। यूईएफए ने बुधवार को कहा, इनमें बिटेन और आयरलैंड को संयुक्त बोली शामिल है, जिसका प्रतिनिधित्व इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के फुटबॉल संघ यूरो 2028 के लिए बोली लगाने के लिए करते हैं। उधर तुर्की यूरो 2028 का लिए बोली लगाना चाहता है।

सिंहुआ को एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इतालवी फुटबॉल महासंघ ने यूरो 2032 के लिए डोजियर जमा कर दिया है। यूईएफए की कार्यकारी समिति अक्टूबर में इस मामले पर फैसला करेगी।

लियोनल मेसी के मुरीद हुए फेडरर

नई दिल्ली, 14 अप्रैल (एजेंसियां)। अजेंटीना के कप्तान लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है। पिछले साल फोटो वर्ल्ड कप अपने नाम कर उन्होंने सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर के तरफ से पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के नहीं है। वे चार साल को उम्र में जीतनी की रूपी में अपने नाम के लिए नोटिस जारी किया है।

क्या है मास्टर

दरअसल फरवरी महीने में अपने दोस्तों के साथ एक होटल में खाना खाने गए थे। वहाँ सेल्फी लेने

में शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स में से एक माना जाता है।

पृथ्वी शॉ की चिन्हिंग की जिंदगी के लिए नोटिस जारी किया गया है।

लियोनल मेसी को दूनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर्स म

